1

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

आरे बाधस्व दुच्छुनाम्।।

साम 627

हे प्रकाशस्वरूप प्रमात्मन्! आप हमें दुष्प्रवृत्तियों से दूर हटाइए।

O the Luminous lord! keep us away from doglike habits such as greediness, quarrilling and flattery etc.

वर्ष 41, अंक 36 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 25 जून, 2018 से रविवार 1 जुलाई, 2018

विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119

दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8

फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018 की तैयारियां

जालन्धर में प्रान्तीय आर्य कार्यकर्ता सम्मेलन श्री सुदर्शन शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, हरियाणा सभा और दिल्ली सभा के अधिकारी भी हुए सम्मिलित

दिल्ली-हरयाणा-पंजाब की आर्य प्रतिनिधि सभाएं आर्यसमाज का महत्त्वपूर्ण स्तम्भ : आपसी सहयोग से और भी मजबूत होगा संगठन – सुरेशचन्द्र आर्य, प्रधान, सार्वदेशिक सभा

पंजाब के आर्यजन बड़ी संख्या में आर्य महासम्मेलन दिल्ली में भाग लें – सुदर्शन शर्मा

गुरुकुल कांगड़ी तीनों सभाओं की हिस्सेदारी नहीं अपितु सामूहिक जिम्मेदारी – मिलकर पूरा करेंगे

– प्रेम भारद्वाज, महामन्त्री पंजाब, – उमेद शर्मा, महामन्त्री हरियाणा, – विनय आर्य, महामन्त्री दिल्ली

हरियाणा, पंजाब एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का एक साथ कार्य करना आर्यसमाज के सुखद भविष्य का संकेत – मा. रामपाल

'लोगों को धर्म के नाम पर हो रहे पाखण्ड और अन्धविश्वास से बचाएं। आज भी बहुत सा पाखण्ड और अन्धविश्वास फैल रहा है, रोज नए-नए बाबा धर्म के नाम पर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं और अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। भोली-भाली जनता इन बाबाओं के मोहपाश में फंसकर अपना शोषण करवा रही है। इसलिए आर्य समाज का यह परम कर्त्तव्य बन जाता है कि लोगों को उन पाखण्डियों के जाल से मुक्त करने के लिए उन्हें जागरूक करें। लोगों के बीच

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य ममहासम्मेलन-2018 दिल्ली का बैनर पंजबा सभा के अधिकारियों प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा, महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज जी को प्रदान करते सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य, हरियाणा सभा के प्रधान मा. रामपाल आर्य, मन्त्री श्री उमेद शर्मा, दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, कोषाध्यक्ष श्री विद्यामित्र ठुकराल एवं अन्य अधिकारीगण। इस अवसर पर पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे आर्यजनों से भरा हॉल

– शेष पृष्ठ 7 पर

महाराष्ट्र के आर्य कार्यकर्ताओं की वृहद बैठक सम्भाजीनगर औरंगाबाद में सम्पन्न

सार्वदेशिक सभा के मन्त्री श्री प्रकाश आर्य जी ने दिया आमन्त्रण : हजारों होंगे शामिल

सम्मेलन के लिए महाराष्ट्र के आर्यजनों में भारी उत्साह : क्षेत्रीय बैठकें इसे और बढाएंगी – डॉ. ब्रह्ममुनि

जन समपर्क अभियानों से आर्यजनों को देंगे दिल्ली महासम्मेलन में पहुंचने की प्रेरणा – दयाराम बसैये

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की पूर्व सूचना एवं निमन्त्रण हेतु बैठक औरंगाबाद में सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करने हेतु सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री प्रकाश आर्य पधारे। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री प्रकाश आर्य का आर्य समाज सम्भाजी नगर के साप्ताहिक सत्संग में आध्यात्मिक उद्बोधन हुआ। इसके पश्चात् निसंग हॉल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लातूर, पूना, धूलिया, परलीबैजनाथ, धारूड़, बीड़, जालना, नासिक आदि स्थानों से

बड़ी संख्या में आर्य महिला, पुरुष, सदस्यगण उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में सभा के उपप्रधान एवं मन्त्री माधव के देशपाण्डे, उपमन्त्री दयाराम राजाराम बसैये, कोषाध्यक्ष उग्रसेन भद्रसेन राठौर व अन्य सदस्य एवं महिलाएं भी उपस्थित हुए। स्थानीय कार्यकर्ता आर्यवीर दल के प्रमुख व्यंकटेश विश्वनाथ 'अधिष्ठाता' आर्य वीर दल भी उपस्थित रहे और लगभग 200 आर्य वीर व वीरांगना को दिल्ली में होने वाले आर्य महासम्मेलन में लाने हेतु घोषणा की।

– शेष पृष्ठ 3 पर

वेद-स्वाध्याय

पवित्र संग्राम और उसके अधिकारी

धृतव्रताः क्षत्रिया यज्ञनिष्कृतो बृहद्दिवा अध्वराणामभिश्रियः।
अग्निहोतार ऋतसापो अद्रुहोऽपो असृजन्ननु वृत्रतूर्ये।। -ऋ. 10/66/8
ऋषिः वसुकर्णो वा वासुकः।। देवता - विश्वदेवाः।। छन्दः विराड्जगती।।

शब्दार्थ - धृतव्रताः = व्रत धारण किये हुए क्षत्रिय = सच्चे अर्थो में क्षत्रिय **यज्ञनिष्कृतः** = यज्ञकर्मो को **निःशेषेण** करने वाले **बृहद्दिवा** = महातेजस्वी **अध्वराणां अभिश्रियः** = अहिंसामय कृतियों के सेवन करने वाले, उनसे शोभनेवाले **अग्निहोतारः** = अग्नि का हवन या आह्वान करने वाले **ऋतसापः** = सत्य से समवेत हुए-हुए **अद्रुहः** = कभी द्रोह न करने वाले पुरुष ही **वृत्रतूर्ये** = पापनाशक संग्राम में **अनु** = तदनुकूल **अपः** = कर्मो को **असृजन्** = करते हैं।

विनय- वस्तुतः प्रत्येक संग्राम पाप का विनाश करने के लिए ही लड़ा जाना चाहिए, इसीलिए संग्राम का वैदिक नाम '**वृत्रतूर्य**' होता है, पर ऐसे पवित्र संग्राम को लड़ने का अधिकारी हर कोई नहीं हो सकता। क्या तुम भी चाहते हो कि तुम किसी '**वृत्रतूर्य**'' में सैनिक बन सको? तो तुम्हें अपने-आपको निम्न प्रकार से आठ गुणों से विशिष्ट बनना होगा।

(1) सबसे पहले इस पवित्र कार्य के लिए व्रत को या व्रतों को धारण करो और उनपर अडिग रहो, धृतव्रत होवो।

(2) सच्चे क्षत्रिय अर्थात् क्षत से त्राण करने वाले होवो। पीड़ित लोगों की रक्षा करने के भाव से ही युद्ध में प्रवृत्त होवो।

(3) यज्ञ के, स्वार्थ-त्यागमय और सर्वहितकारी कर्म के करने वाले, सर्वोत्तमभाव से करने वाले बनो; अपने पवित्र संग्राम को भी यज्ञ ही समझकर करो। (4) बड़े दीप्तिमान बनो, तप-ब्रह्मचर्य आदि द्वारा महान् तेज का अपने में संग्रह करो। (5) तुम्हारी शोभा तुम्हारा अहिंसामय व्यवहार हो। तुम सर्वथा अहिंसामय, यज्ञिय, प्रेमभरे कर्मो के सेवन करने वाले होवो और इसके लिए प्रसिद्ध होवो। (6) अग्निहोत्र करने वाले, अग्निदेव को अपने में आह्वान करने वाले बनो।(7) पूरे सत्यनिष्ठ होवो, ऋत के साथ, सत्यनियम के साथ अपने-आपको एक कर दो। सर्वथा सत्य का ही सेवन करो। (8) और अद्रोही होवो। तुम्हारे व्यवहार से कभी किसी को धोखा न पहुंचे, तुम्हारा मन कभी किसी का बुरा न चाहे। जो इस प्रकार के वीर महानुभाव होते हैं वे ही पवित्र 'वृत्रतूर्य' संग्रामों में चल सकते हैं, वे ह इन दिव्य युद्धों में इनके अनुकूल ठीक-ठीक काम कर सकते हैं।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

वर्तमान कश्मीर : आखिर समाधान क्या है?

....इस समय देश के विपक्ष को देखें तो लगता है जैसे कश्मीर के सारे समाधान उनकी जेब में हैं बस यह सरकार हटे और वे चुटकी बजाकर समाधान कर दें। पर क्या ऐसा वास्तव में है या हो सकता है? यदि ऐसा है तो फिर वह चुटकी आजादी के करीब 60 वर्ष राज करने के दौरान क्यों नहीं बजाई गयी?....

एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री रह चुके सैफुद्दीन सोज के एक बयान से विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के उस बयान पर सहमति जताई है जिसमें उन्होंने कहा था कि आजादी कश्मीरियों की पहली पसंद है। ऐसे बयानों से भले ही मीडिया को मसाला मिलता रहा हो लेकिन इस बात से कौन इन्कार कर सकता है कि घाटी को सुलगाने में अरसे से ऐसे ही बयान चिंगारी बनते रहे हैं। ऐसे बयानों से ही आतंकी संगठन उनके आर्थिक और मानसिक पेरोकारों को खुराक मिलती रही है।

अचानक 19 जून को भाजपा द्वारा गठबंधन सरकार से समर्थन वापस लिए जाने के बाद वहां उपजे राजनीतिक संकट को देखते हुए कई महत्त्वाकांक्षी नेता मैदान में इस तरह के बयान देकर एक विशेष धारणा के लोगों को खुश करते दिख रहे हैं। जिसकी वाहवाही पड़ोसी देश से भी उन्हें बराबर मिल रही है। लेकिन इन सबके बीच यह कोई नहीं समझ पा रहा है कि जो कश्मीर कभी दो देशों भारत और पाकिस्तान का विवाद हुआ करता था, आज एक इंडस्ट्री बनकर रह गया है। आतंकियों का अपना अलग फार्मूला है उन्हें इस्लाम चाहिए, उनकी मांग को पुख्ता करने वाले अलगाववादियों को पडोसी देश पाकिस्तान तथा विदेशों से फंड मिल रहा है, जिससे उनकी जिन्दगी मजे से कट रही है। कश्मीरी राजनीतिक घरानों को सत्ता और युवा बेरोजगार लोगों को पत्थरबाजी से रोजाना दिहाड़ी मिल रही है। इन युवाओं को मस्जिदों से उकसाने वाले मुल्ला-मोलवियों को मोटी पगार मिल रही है कहा जा रहा है कि इंडस्ट्री का हिस्सा बने इन मुल्ला-मौलवियों ने खुदा की बंदगी छोड़कर अलगाववादियों की बंदगी शुरू कर दी है। धर्म स्थलों में खुदा की खिदमत में बजने वाली नज्म के बजाय अब वहां आजादी के तराने आसानी से सुन सकते हैं।

इस नये उद्योग का अगर अध्ययन करें तो पता चलता है कि इसका फायदा पत्थरबाजों, कथित धर्मगुरुओं, कश्मीरी नेताओं और अलगाववादियों तक ही सीमित नहीं है, शायद इसका लाभ देश के बाहर भी संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकारों के उच्चायुक्त जायद बिन राड अल हुसैन तक भी पहुँच रहा है तभी तो यूएन की रिपोर्ट में अंतर्राष्ट्रीय रूप से चिह्नित और खुद यूएन ने जिन आतंकी समूहों को प्रतिबंधित किया है उसे ''हथियारबंद समूह'' और चरमपंथियों को चीयरलीडर्स कहा गया है। सैनिकों पर हमला करने वाले पत्थरबाजों को मासूम और इन दोनों के बीच पिसती भारतीय सेना की कार्यवाही पर सवाल उठाये गये हैं।

इस समय देश के विपक्ष को देखें तो लगता है जैसे कश्मीर के सारे समाधान उनकी जेब में हैं बस यह सरकार हटे और वे चुटकी बजाकर समाधान कर दें। पर क्या ऐसा वास्तव में है या हो सकता है? यदि ऐसा है तो फिर वह चुटकी आजादी के करीब 60 वर्ष राज करने के दौरान क्यों नहीं बजाई गयी? मुख्यधारा की राजनीति से दूर अलगाववादी कोई नवजात शिशु तो है नहीं कि कल परसों पैदा हुए हों! उन्हें पैदा करने वाले भी जरूर कोई रहे ही होंगे और उनका पालन पोषण किसकी सरकार के दौरान हुआ है। जहाँ आज ये सवाल उठाये जाने थे आज वहां सैफुद्दीन सोज जैसे लोग कश्मीरी अलगाववादियों और सीमा पार बैठे उनके आकाओं की धारणा को पुष्ट करने में लगे हैं।

हालाँकि कश्मीर में हर एक घटना के बाद सबके अपने-अपने समाधान होते हैं। राजनेताओं के अपने समाधान होते है, मीडिया में बैठे लोगों को देखें तो मुँहतोड़ जवाब देने की बात होती ही रहती है। पर जवाब क्या हो, कैसे दिया जाये? समस्या बस इतनी-सी है। खबरों की सबसे तेज आधुनिक मंडी सोशल मीडिया पर हर किसी के अपने समाधान हैं और न जाने कितने समाधान लोग अपनी-अपनी सोशल मीडिया वाल पर हर रोज चिपकाते हैं। लेकिन! कोई तो वजह होगी जो इतना पुराना मामला अधर में लटका पड़ा है।

वजह यही है कि सरकार जानती है कि कहना अलग बात, लेकिन ऐसे समाधान चुटकियाँ बजाते होते तो कब के हो गये होते। अलगावाद से कैसे निबटें? हमारी समस्या यह है कि अलगावादियों के पास तो उसकी खास पाक प्रायोजित आजाद कश्मीर नीति है, जिससे वह आज तक कभी टस से मस नहीं हुए। सत्ता चाहे जिसके पास रही हो, लेकिन हमारे पास अलगावादियों के लिए कोई स्पष्ट सन्देश नहीं है सिवाय इसके कि दो दिन किसी अलगावादी नेता को नजरबन्द कर दें या एक हफ्ते के लिए गिरफ्तार करले इससे ज्यादा हमने अभी तक क्या किया?

सिर्फ बयानबाजी, निन्दा या करारे जवाब शायद इससे आगे अभी तक हम नहीं बढ़ पाए। हमारा तो एक भी जवान शहीद होता है तो हमें बहुत दर्द होता है, लेकिन आतंकियों या अलगावादियों के पास ऐसी दर्द भरी संवेदना नहीं है। उनके 100 भी मर जाएं तो उन्हें परवाह नहीं होती। वे मजहब के नाम पर 500 और खड़े कर लेंगे हम 500 मार देंगे तब भी उन्हें फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि वे अपने भाड़े के हत्यारों की कद्र नहीं करते। वे अपने द्वारा तैयार किये गये आतंकियों को सेना की बन्दूक का भूख मिटाने का चारा समझते हैं। वे चाहते हैं सेना इन पत्थरबाजों की भीड़ पर गोली चलाये, दो मरे या सौ उससे उनका मकसद सफल होता है ताकि 'जायद बिन राड अल हुसैन' जैसे बिके हुए लोग उनकी लाशें संयुक्त राष्ट्र को दिखाते रहें कि देखिये साहब भारतीय सेना का जुल्म।

शायद इससे जो मकसद हम चाहते हैं, वह हासिल नहीं होगा। हमारा मकसद तो यही है न कि अलगावादी पत्थर परोसना बंद कर दे तो हमें पहले कड़ी कार्यवाही अलगावादी नेताओं पर करनी होगी। हमें कश्मीर आबाद रखना है, वे हमारे नागरिक हैं उन्हें अलगावादियों का मोहरा क्यों बनने दे? कहा जाता है सिर्फ पांच प्रतिशत या इससे भी कम कश्मीरी होंगे जो पाकिस्तान समर्थक हैं या जिनमें भारत विरोधी भावना है। बाकी 95 फीसदी भारत के साथ रहना चाहते हैं लेकिन अलगावादियों द्वारा गली के नुक्कड़ पर खड़ें किये मजहबी गुंडों और आतंकियों की गोली के डर से वे उनकी ही बात सुन रहे हैं। जिस दिन सरकार उनका यह डर खत्म कर देगी उसी दिन वे देश के गीत गाना शुरू कर देंगे। वरना जिस तरीके से अपने मकसद में सफल हो रहे हैं ज्यादा समय नहीं लेंगे कश्मीर को सीरिया बनाने में।

- सम्पादक

अत्यावश्यक सूचना : यज्ञ पर शोध

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने निश्चय किया है कि यज्ञ की विधि और उसकी वैज्ञानिकता पर अधिक शोध किया जाए। इसके लिए यज्ञ और उसकी वैज्ञानिकता में रुचि रखने वाले अथवा कुछ शोधकार्य कर चुके या करने की इच्छा करने वाले आर्यजन अपने नाम, मोबाईल नं. और ईमेल आईडी भेजने की कृपा करें। जिनके पास पहले से ही विभिन्न व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा किये गये शोध के कुछ परिणाम हों अथवा प्रकाशित लेख हों उनकी प्रति भी यथाशीघ्र भिजवाने की कृपा करें। आगामी शोध कार्य आर्य समाज स्थापना दिवस के दिन से आरम्भ किया जाने का प्रस्ताव है अतः उपर्युक्त जानकारी शीघ्रातिशीघ्र सभा कार्यालय को भिजवाने की कृपा करें।

-ईश कुमार नारंग, संयोजक, 9911160975

15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 Email : aryasabha@yahoo.com

सोशल मीडिया द्वारा हिंसा के नये-नये प्रयोग

.........देश में इस तरह की घटनाएं इतनी तेजी से घटित हो रही हैं कि जब तक हम एक खबर पर पूरी तरह संवेदना भी प्रकट नहीं कर पाते तब तक दूसरी सामने मुंह बाए खड़ी होती है। हम आपस में ही नजर नहीं रख पा रहे हैं कि किसके साथ क्या हो रहा है? .....

देश में एक बार फिर अनियंत्रित भीड़ ने दो लोगों हत्या कर दी। इस भीड़ का शिकार अबकी बार असम के कार्बी आंगलॉन्ग जिले में दो ऐसे नवयुवक बने हैं। जो कार्बी के सुदूरवर्ती इलाके डोकमोका में स्थित काथिलांगसो झरना घूमने गए हुए थे। बताया जा रहा है कि भीड़ को शक हुआ कि दोनों युवक बच्चों का अपहरण करने वाले गिरोह के सदस्य हैं। जबकि दोनों मृतक दोस्त थे जिनमें से एक कारोबारी और दूसरा साउंड इंजीनियर था। देर रात अपनी कार से वापस लौटते हुए पंजूरी गांव के पास भीड़ ने उन्हें बच्चा अपहरण करने वाला समझकर रोक लिया। भीड़ ने दोनों को वाहन से नीचे उतारा और बांधकर उनकी बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो दोनों की सांसें चल रही थीं। पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

देश में इस तरह की घटनाएं इतनी तेजी से घटित हो रही हैं कि जब तक हम एक खबर पर पूरी तरह संवेदना भी प्रकट नहीं कर पाते तब तक दूसरी सामने मुंह बाए खड़ी होती है। हम आपस में ही नजर नहीं रख पा रहे हैं कि किसके साथ क्या हो रहा है? मारो, पकड़ो, ये रहा, वो गया, भागने-दौड़ने की आवाजें, गाली, चीखने की आवाजों के साथ जब तक कोई सोचे समझे कि क्या हुआ है तब तक किसी निर्दोष का पंचनामा भरा जा रहा होता है और मरने वाले को उसका कसूर भी नहीं पता होता।

असम में इन दोनों युवकों की पिटाई करती भीड़ का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों युवक छोड़ देने की गुहार लगा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि वे भी असम के ही रहने वाले हैं। लेकिन भीड़ पर उनकी गुहार का कोई असर नहीं होता और नीलोत्पल दास एवं अभिजीत नाथ को भीड़ हिंसा का शिकार बना लेती है। इस वीडियो समेत हिंसा भरी इसी तरह की कोई भी वीडियो देख लीजिये आप आसानी से अंदाजा लगा सकते है कि लोगों का विवेक उनके पास नहीं होता।

अफवाही हिंसा के इस उद्योग का कोई निश्चित ठिकाना नहीं होता। इसका शिकार राजस्थान में भी हो सकता है और दिल्ली में भी। अचानक एक सूचना कहीं से भी वायरल होती है और लोगों के दिमाग अपनी जकड़ में ले लेती है। पिछले महीने महाराष्ट्र का नांदेड़ जिला अचानक हिंसक हो उठा था। पूरे जिले में अफवाह फैल गयी कि बच्चा उठाने वाला एक गिरोह घूम रहा है। इसी बीच लोगों की नजर चार संदेहास्पद लोगों पर पड़ी। जमकर उनकी पिटाई कर दी थी।

पिछले दिनों ही तमिलनाडू के तिरूवन्नमलाई में मुथुमारियम मंदिर में दर्शन को जा रही एक महिला समेत चार रिश्तेदार पर बच्चा उठाने वाले गिरोह का सदस्य समझकर हमला किया जिनमें दो की हालत बेहद गम्भीर थी। वहां भी पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर ये झूठी खबर फैलाई जा रही है कि उत्तर भारत के कुछ बच्चे चुराने वाले गिरोह शहर में घूम रहे है।

पिछले साल झारखण्ड के खरसावां में दो स्थानों पर तीन लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। उन पर भी बच्चे उठाने का संदेह था। जबकि वह पशु व्यापारी थे। इसी साल 25 मई को कर्नाटक में व्हाट्सएप पर बच्चा चोरी करने वाले के हुलिए के साथ मैसेज लोगों को मिल रहा था। इसे देखने के बाद कुछ लोगों ने वहां राजस्थान के टाइल्स फिटर कालूराम को बच्चा चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला।

जमशेदपुर से लेकर मुर्शिदाबाद तक असम से लेकर राजस्थान तक यह भीड़ ही अदालत बनती जा रही है। किसे कैसी मौत देनी है, किस पर क्या आरोप तय करने हैं, यह भीड़ तय कर लेती है।

इस भीड़ को हांकने के लिए कोई बड़े प्रबंधन की जरूरत नहीं। व्हाट्सअप के ग्रुप बनाकर भी हांका जा रहा है इस भीड़ के सामने सरकारें बेबस हैं। संविधान बौना नजर आता है। प्रशासन भी इसे समझने में लाचार दिख रहा है। इस भीड़ के तरीकों को देखकर लगता है जैसे कोई समूह यह टेस्ट कर रहा हो कि अलग-अलग अफवाहों के कारण यह भीड़ कितनी जगह हिंसा कर सकती है और कितने लोगों को मौत के घाट उतार सकती है।

आखिर अचानक लोगों के अन्दर इतना गुस्सा कहाँ से आ गया कि भीड़ किसी को घर से निकाल लाती है। ये बच्चे चोरी के आरोप लगाकर किसी राह चलते को मार सकते हैं। ये बीफ खाने के शक में किसी को मौत दे सकती है, ये भीड़ मजहब के नाम पर, धर्म के नाम पर तो कभी किसी को डायन का आरोप जड़कर फैसला कर सकती है। इस भीड़ के पास सवाल नहीं होते बस जवाब के नाम पर हिंसा होती है।

इसे देखकर लगता है कि लोग सोचने समझने की शक्ति खत्म कर चुके हैं। लोगों का संचालन सोशल मीडिया से किया जा रहा है। आदर्शो को समाप्त कर कानून से निडर लोग हिंसा से एक दूसरे के चेहरे पोत रहे हैं। इनमें शामिल कोई दूसरे गृह के प्राणी नहीं हैं। हमारे आस-पास के हिस्से इस भीड़तंत्र में हैं जो किसी को भी लाठी से मार रहे हैं जो किसी को गोली से मार रहे हैं।

हमें यह देखना पड़ेगा कि यहाँ हर कोई पत्रकार और समाचार चैनल बना हुआ है। देश में अलग-अलग स्थानों से झूठी खबरें विभिन्न पोर्टलों के सहारे परोसी जा रही हैं। आप गूगल पर एक सत्य की तलाश कीजिये आपको बीस झूठ की खबरें मिलेंगी। कहीं से कोई शेयर हो जाता है, किसी के पास पहुंच जाता है। वह उस लिंक में दो बात खुद की जोड़ता है बड़े ग्रुप में फेंक देता है। देखते-देखते एक झूठ का शिकार लाखों लोग हो जाते हैं और झूठ हिंसा बनकर किसी निर्दोष का रक्त पी जाती है।

इस सवाल का भी हल खोजना होगा कि एक झूठी खबर पर प्रतिक्रियावादी आक्रामकता जगह क्यों बना रही है जो लोग आज इस भीड़ के प्रति लगातार सहनशील और खामोश होते चले जा रहे हैं। वह इस भीड़ को ताकतवर बना रहे हैं यदि भीड़ इसी तरह ताकतवर होती चली गयी तो एक दिन हमें अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को भी इस भीड़ के हवाले करना पड़ेगा और यह भीड़ राष्ट्र की हत्या करने से भी नही चुकेगी।

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा — आंधियां चलती रहीं, आशियां बनते रहे

गतांक से आगे -

''अन्दर आ जाओ, बेटा।'' कहकर वृद्धा ने दरवाज़ा खोल दिया। मकान में दाखिल होते ही आज़ाद ने झट कुंडी बन्द कर दी। फिर आँगन पार करके दोनों अन्दर आए। तख़्त पर बैठने का इशारा करके वृद्धा ने दिया वहीं दीवट पर रख दिया और कमरे से धोती व तौलिया लाकर आज़ाद की ओर बढ़ा दिए। उन्होंने दोनों चीज़ें ले लीं। धोती जनानी थी। देखते ही उन्हें हँसी आ गई।

''बिटिया की है। घर में कोइ मर्द तो है नहीं!'' वृद्धा ने कहा। आज़ाद चुप रहे। केवल तौलिया ही इस्तेमाल में लाए।

''क्या नाम है तुम्हारा?'' वृद्धा ने स्नेह से पूछा।

''जीवन में झूठ तो कभी बोला नहीं और सच बोलने की इस समय इच्छा नहीं है।'' आज़ाद बोले।

''क्यों? सच बोलने में क्या डर? जो भी हो, सच कहो।''

''चन्द्रशेखर आज़ाद।''

''वही आज़ाद, जो फ़रार है? वही आज़ाद, जिसकी ज़िन्दा या मुर्दा गिरफ़्तारी के लिए सरकार ने 15 हज़ार रुपयों का इनाम घोषित किया है?'' वृद्धा चौंकी। ''जी वही!''

''तुम्हारा अपराध?''

''देशभक्ति। मैं किसी भारतीय को रोटी, कपड़ा और मकान के लिए दर-दर भटकते नहीं देख सकता। अंग्रेज़ी शासन अब और सहन नहीं होता। भारत मां के पैरों में पड़ी बेड़ियों को तोड़ने का संकल्प लिया है मैंने। बस, यही मेरा अपराध है।'' आज़ाद आवेश में कहते गए।

''धन्य है तुम्हारा संकल्प! धन्य है वह मां, जिसकी कोख ने ऐसा लाल जन्मा? तुम्हारे दर्शन पाकर मैं भी धन्य हुई।''

आज़ाद ने वृद्धा को उस टिमटिमाते हुए दिये की रोशनी में ग़ौर से देखा। उसकी आयु पचास से ऊपर होगी। उसके तेजस्वी मुख और निश्छल नेत्रों से लगा कि वह किस कुलीन परिवार की पढ़ी-लिखी लेकिन निर्धन महिला है।

तभी अचानक वृद्धा को खाँसी का दौरा उठा। ऊपर कमरे से निकलकर कोई तेज़ी से ज़ीने की ओर लपका। आज़ाद वहीं कोने में छिप गए। वह वृद्धा की इकलौती बेटी कल्पना थी। ऊपर कमरे में बैठी पढ़ रही थी। मां को उठा दौरा सुनकर तुरन्त भागी-भागी नीचे आई और उसकी पीठ सहलाने लगी। फिर कटोरी से दो घूँट पानी पीने को दिया। स्वस्थ होते ही वृद्धा भौंचक्की-सी इधर-उधर देखने लगी। लड़की सहम गई। पूछा, ''क्या है मां? किसे देख रही हो?''

- क्रमशः

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

प्रथम पृष्ठ का शेष

महाराष्ट्र के आर्य कार्यकर्ताओं...

सभा की ओर से सभा मन्त्री माधव के. देशपाण्ड व आर्य समाज तथा आर्य वीर दल की ओर से मन्त्री जी का स्वागत किया तथा सभा का संचालन दयाराम बसैया द्वारा किया गया।

सभामन्त्री श्री प्रकाश आर्य ने संगठन की वर्तमान स्थिति की ओर महानुभावों का ध्यान आकर्षित करते हुए संगठन की आवश्यकता व प्रणाली में सुधार पर अनेक सुझाव दिए तथा अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के महत्त्व और अभी तक जहाँ-जहाँ महासम्मेलन सम्पन्न हुए उसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला व सम्मेलन में सबको परिवार सहित, अपने इष्टमित्रों सहित पधारने का निमन्त्रण दिया। कार्यक्रम में नरेन्द्र कुमार धर्मदेव शास्त्री, नासिक, लखमशी वेलानी, मालवाड़ी वारज पुने, आचार्य डॉ. अखिलेश शर्मा, धुलिया, बालाजी विश्वनाथ नरवड़े, ग्रारखेड़ा परिसर, दिलीप रामचन्द्र कानगुने, लातूर, भैयालाल, जालना आदि उपस्थित थे।

- प्रकाश आर्य,
मन्त्री सार्वदेशिक सभा

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044

E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org

YouTube : thearyasamaj 9540045898

प्रचार एवं तैयारियों के लिए प्रान्तीय स्तर आयोजित बैठकें

समस्त आर्यसमाजों, गुरुकुलों, आर्य शिक्षण संस्थानों, आर्य वीर दल, वीरांगना दल एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी अधिकाधिक संख्या में भाग लें

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल : दिनांक : 1 जुलाई, 2018

स्थान : आर्यसमाज बड़ा बाजार, कोलकाता

-: निवेदक :-

दीनदयाल गुप्ता (प्रधान) जगदीश प्रसाद केडिया (मन्त्री)

प्रचार हेतु शोभायात्रा/प्रभातफेरी आयोजित करें

समस्त आर्य समाजों, आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों एवं अन्य सहयोगी संस्थानों के पदाधिकारियों से निवेदन है कि अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर सम्मेलन से चार दिन पूर्व अपने प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों में सम्मेलन के प्रचार एवं जन साधारण को आमन्त्रित करने पधारने की प्रेरणा देने के लिए प्रातःकाल अथवा सायंकाल जैसा आप उचित समझें शोभायात्राएं/प्रभातफेरियां आयोजित करें, जिससे जन साधारण में जानने की उत्सुकता तथा जागृति का संचार हो।

कृपया अपनी प्रचारयात्रा/शोभायात्रा/प्रभातफेरी का विवरण तिथि, समय, स्थान, रूट आदि की जानकारी सम्मेलन कार्यालय को अवश्य भेजें, जिससे आर्यसन्देश साप्ताहिक में प्रकाशित किया जा सके। - *संयोजक*

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साइज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साइज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साइज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं -

(श्वेत श्याम विज्ञापन)		(रंगीन- चार रंगों में विज्ञापन)	
1. चौथाई पृष्ठ	5000/-	4. चौथाई पृष्ठ	7500/-
2. आधा पृष्ठ	7500/-	5. आधा पृष्ठ	12500/-
3. पूरा पृष्ठ	10000/-	5. पूरा पृष्ठ	21000/-

आर्यजन महासम्मेलन में अपनी समाज की बैच लगाकर आएँ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आने वाले सभी आर्यजन भाई-बहन अपनी पहचान के लिए अपनी आर्य समाज का सुन्दर बैच लगाकर आएँ। बैच में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का लोगो, महर्षि दयानन्द का सुन्दर चित्र, अपने आर्य समाज का नाम, अपना नाम व पता अवश्य अंकित करें। इससे आप की पहचान जहाँ आप के आर्य समाज और जनपद के साथ बनी रहेगी वहीं पर आम जनता में भी आर्य समाज और इस महासम्मेलन की चर्चा हो जाएगी। सम्मेलन का लोगो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की वैबसाइट www.aryamahasammelan.org अथवा दिल्ली सभा की वैबसाइट www.thearyasamaj.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

सहयोगी युवा कार्यकर्ताओं का स्वागत है

इस बार के आर्य महासम्मेलन का एक उद्देश्य आर्य समाज में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने को लेकर भी है। जो युवा इस महासम्मेलन में अपना सहयोग देना चाहते हैं, उनको हम सादर आमन्त्रित करते हैं। इतने विशाल सम्मेलन की व्यवस्था को सुव्यस्थित बनाए रखना युवाओं के बिना सम्भव नहीं है। अतः जो युवा आर्य कार्यकर्तागण सम्मेलन की व्यवस्थाओं में सहयोग करने के इच्छुक हों और 23 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक सेवा देना चाहते हों वे अपनी आर्यसमाज/प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा के माध्यम से अपने नाम, पता एवं मोबाइल नं. सहित सम्पूर्ण विवरण **'संयोजक'** के नाम सम्मेलन कार्यालय : आर्यसमाज, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर भिजवाने का कष्ट करें।

- *संयोजक*

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018

25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

तद्नुसार कार्तिक कृष्ण १, २, ३, ४ विक्रमी २०७५

स्थान : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी, दिल्ली

दिल खोलकर सहयोग करें

अक्टूबर-2018 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में बहुत बड़ा सम्मेलन होगा। सम्पूर्ण विश्व से 2 लाख से अधिक आर्य जनों के इसमें पहुँचने की आशा है। इसे देखते हुए सम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए आप सबका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। सभी आर्यजनों, आर्य संस्थाओं, आर्य समूहों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं और आर्य महिला सभाओं/संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा-महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर भेजने की कृपा करें। यह सम्मेलन आप का है और आप के सहयोग से ही यह हर प्रकार से अद्वितीय बन सकता है। कृपया अपनी सहयोग राशि **'संयोजक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन,15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।**

- *संयोजक*

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

भाग लेने के लिए अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभाव अविलम्ब अपना रेल आरक्षण जिस भी रेल में मिले करा लें। ऐसा न हो कि देर होने के कारण आप को टिकट ही न मिले और आप महासम्मेलन में भाग लेने से वंचित हो जाएँ। जहां तक रेलवे छूट का प्रश्न है वहां 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों एवं 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रेलवे में छूट का प्रावधान पहले से ही है, जिसके छूट का लाभ लेते हुए अभी से आरक्षण करा लेना चाहिए। जन-साधारण के लिए रेलवे विभाग से किराया भाड़ा छूट प्रदान करने का निवेदन किया गया है। आशा है शीघ्र ही किराया भाड़ा छूट प्रमाण पत्र शीघ्र ही प्राप्त होगा। - *संयोजक*

कॉलर ट्यून से करें महासम्मेलन का आह्वान 'विश्वमार्यम् का फिर से उद्घोष करें'

आर्यमहासम्मेलन गीत 'विश्वमार्यम् का फिर से उद्घोष करें' को अपने मोबाइल की कॉलर/रिंग टोन बनाएं। अपने मोबाईल में सम्मेलन गीत की ट्यून सैट करने हेतु दिए गए कोड को मैसेज करें अथवा निम्न लिंक पर क्लिक करें-

http://mobilemanoranjan.com/Hindi/Album/Arya-Udghosh

Airtel	DIAL 5432116538214	Idea	DIAL 5678910497215
Reliance Set Tune	SMS CT 10497215 to 51234	BSNL E & S	SMS BT 10497215 to 56700
BSNL N & W	SMS BT 7104896 to 56700	Aircel	SMS DT 7104896 to 53000
Vodafone	SMS CT 10497215 to 56789	MTNL	SMS PT 10497215 to 56789
TATA	SMS CT 10497215 to 543211		

आर्य महासम्मेलन की कॉलर ट्यून को सीधे किसी भी सर्च इंजन में bit.ly/2t7kRqr टाइप करके डाउनलोड भी किया जा सकता है।

सम्मेलन गीत को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए डायल करें - आईडिया : 9891871921 या वोडा: 8929747971 और ★ दबाए तथा आए हुए मैसेज पर रिप्लाई करें। ट्यून आपके मोबाईल में सैट हो जाएगी। नियमानुसार अपेक्षित शुल्क देय होंगे।

अच्छे संस्कारों से होगा अच्छे समाज का निर्माण : डॉ बलदेव

गुरुकुल में आर्य वीरांगना योग एवं जीवन निर्माण शिविर का भव्य समापन, 1250 युवतियों ने लिया प्रशिक्षण

कुरुक्षेत्र 11 जून 2018, गुरुकुल कुरुक्षेत्र में महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी की प्रेरणा से लगाये गये आर्य वीरांगना योग एवं जीवन निर्माण शिविर का आज भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में आयुष सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र द्वारा वेद प्रचार के क्षेत्र में सर्वाधिक कार्य किया जा रहा है। गुरुकुल कुरुक्षेत्र ने समाज को नई दिशा व दशा देने के लिए एक आदर्श स्थापित किया है।' अन्त में गुरुकुल के प्रधान कुलवन्त सिंह सैनी, सह प्राचार्य शमशेर सिंह व डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने आए हुए मुख्य अतिथि डॉ. बलदेव एवं उम्मेद शर्मा को शॉल व स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया। *- नन्द किशोर, शिविराध्यक्ष*

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलदेव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। समारोह की अध्यक्षता आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के मंत्री उम्मेद शर्मा ने की। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मा. रामपाल आर्य एवं वैदिक विद्वान डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, गुरुकुल के प्रधान कुलवन्त सिंह सैनी, सह प्राचार्य शमशेर सिंह समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए डॉ. बलदेव ने कहा कि 'अच्छे संस्कारों से ही अच्छे समाज का निर्माण होता है और जब समाज अच्छा होगा तो निश्चय ही हमारा राष्ट्र एक उन्नत राष्ट्र बनेगा। इस कार्य में महिलाओं की भूमिका बहुत अहम है क्योंकि महिलाएं ही अपने बच्चों व परिवार को अच्छे संस्कार देकर उन्हें सभ्य नागरिक बनाती हैं। शिविर में आयीं 1250 युवतियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. बलदेव ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, अत: जब तक हमारा शरीर स्वस्थ और बलिष्ठ नहीं होगा, उसमें अच्छे विचार कैसे आएंगे? उन्होंने सभी युवतियों को शिविर में मिले प्रशिक्षण और बौद्धिक ज्ञान का विस्तार करने का आह्वान किया और अन्य लोगों को भी इसका लाभ देने की प्रेरणा दी।'

डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने आर्य वीरांगनाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'दुनिया में विचार से बड़ा कोई खजाना नहीं होता। जिनके विचार अच्छे और श्रेष्ठ हैं, उनके लिए जीवन में कुछ भी असम्भव नहीं होता, सफलता उनके कदम चूमती है। उन्होंने युवतियों से कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि इस शिविर में आकर आपको ऋषि दयानन्द और आर्यसमाज के

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 में स्टाल बुकिंग कराएं

॥ ओ३म् ॥

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018

25-26-27-28 अक्टूबर 2018 (दिल्ली)

महर्षि दयानन्द नगर, स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर-10, रोहिणी, दिल्ली (भारत)

स्टॉल आवंटन हेतु आवेदन पत्र

संस्थान का नाम : ....

पूरा पता : ....

....

....

दूरभाष/चलभाष : ....

ई-मेल : ....

स्टॉलों की संख्या : ....

भुगतान का विवरण : ....

संस्थान प्रमुख का नाम : ....

दूरभाष/चलभाष : ....

ई-मेल : ....

प्रतिनिधियों के नाम : ....

दूरभाष/चलभाष : ....

ई-मेल : ....

बैनर पर मुद्रण हेतु नाम : ....

आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान लगायें :

1. पुस्तकें ☐ 2. हवन सामग्री/यज्ञ पात्र ☐ 3. सीडी कैसेट्स ☐ 4. चित्र ☐ 8. औषधी ☐

6. अन्य : ....

आप अपने सामान पर कितने प्रतिशत की छूट देंगे : ....

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 में स्टॉल के नियम

- स्टॉल में केवल वैदिक साहित्य, प्रचार सामग्री, यज्ञ सम्बन्धित सामग्री आदि ही बेची जा सकेगी। अवैदिक साहित्य व प्रचार सामग्री नहीं बेची जायेगी।
- स्टॉल का साईज लगभग 10x10 होगा। एक स्टॉल में 3 टेबल व 2 कुर्सी दी जायेगी।
- सभी स्टॉल धारक अपना सामान स्टॉल के अन्दर ही रखेंगे। स्टॉल के बाहर न सामान रखेंगे और न ही बेचेंगे। ऑडियो/वीडियो की आवाज कम रखेंगे जिससे कि दूसरे स्टॉल वालों को परेशानी न हो।
- दूसरे के स्टॉल में रखी टेबल आदि को उठाकर अपने स्टॉल में नहीं रखेंगे। अतिरिक्त सामान के लिये डेकोरेटर से सम्पर्क करें।
- आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान अवश्य लगायें।
- स्टॉल का आवंटन समिति के विवेकानुसार होगा। समिति को अधिकार होगा कि वैदिक धर्म के विरुद्ध बेची जा रही सामग्री को जब्त करके स्टॉल खाली करा लिया जाये तथा किसी भी तरह का भुगतान वापिस नहीं होगा।
- भुगतान चैक/बैंक ड्राफ्ट/RTGS/NEFT/नकद द्वारा कर सकते हैं। चैक वापिस होने पर 500/- अतिरिक्त देना होगा तथा स्टॉल रद्द हो जायेगा।
- स्टॉलों की बुकिंग 25 सितम्बर 2018 को बन्द हो जायेगी। स्टॉल की संख्या सीमित है, बुकिंग पहले फुल हो जाने पर पहले भी बन्द हो सकती है। आवंटित स्टॉल नम्बर 20 अक्टूबर तक बता दिये जायेंगे।
- सम्पूर्ण बाजार की सफाई में अपना स्वैच्छिक सहयोग देंगे।
- प्लास्टिक की थैली पूर्णतया प्रतिबन्धित होगी। उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना व उचित कार्यवाही की जायेगी।

हमने स्टॉल हेतु नियम पढ़ लिये हैं तथा इनको पालन करने का वचन देते हैं।

स्थान: आवेदक के हस्ताक्षर

संस्था का नाम

दिनांक: पद

कार्यालय प्रयोग हेतु

रसीद संख्या : स्टॉल :

भुगतान का विवरण : स्टॉल संख्या :

पुस्तक परिचय

यदि समाज में व्याप्त कुरीतियां, अंधविश्वास तथा सामाजिक बुराईयां कोई दूर कर सकता है तो वह सिर्फ नारी जाति ही कर सकती है। नारी अर्थात् मां की गोद में ही देश का भविष्य पलता है। एक मां जैसा चाहे अपने बच्चे का भविष्य निर्धारित कर सकती है। तभी तो कहा गया है 'माता निर्माता भवती' आर्य वीरांगना दल यही कार्य करता है। आर्य वीरांगना दल द्वारा दिये जाने वाले प्रशिक्षण में संध्या, ईश्वर स्तुति प्रार्थना के मन्त्र, यज्ञ विधि, आर्य वीरांगनाओं के गुण योग विद्या एवं कर्त्तव्यों को साध्वी डॉ. उत्तमा यति द्वारा रचित 'सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल' पुस्तक में बहुत ही सुन्दर वर्णन किया गया है। उक्त पुस्तक आर्य महिलाओं, बच्चों एवं युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। उपरोक्त पुस्तक का स्वयं अध्ययन के साथ-साथ आप अपने ईष्ट-मित्रों सगे-सम्बन्धियों को

जन्म दिवस, वैवाहिक समारोह, वार्षिकोत्सवों में भेंट कर सकते हैं।

पुस्तक प्राप्ति के लिए सम्पर्क करें:-

वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001,

मो. नं. 9540040339

मातृशक्ति

मयोभुव:

धर्म : सर्वप्रथम हमारा यह कर्त्तव्य है कि हम अपने जीवन में धर्म अर्थात् धार्मिक विचारों और भावों को जागृत करें। हमारे जीवन धर्मपरायण और सदाचारमय हों, जिससे हमारी बुद्धि सदा सत्पथगामिनी बनकर हमें सदा कल्याण मार्ग की ओर ही प्रेरित करने वाली हो। कभी हमें कुमार्गगामी न बनाए। शुभाशुभ कर्म करने का सर्वप्रथम साधन बुद्धि ही है। बुद्धि ही मनुष्य को कुमार्ग की ओर प्रेरित कर उसका सर्वनाश कर देती है, तथा बुद्धि ही सन्मार्गगामिनी बनकर मनुष्य का बेड़ा पार कर देती है।

अत: इसे धर्मपरायण बनाना परम आवश्यक है। यह धर्मपरायण कैसे बने, इसके लिए प्राचीन आचार्यों ने अपने ग्रन्थों में कुछ धार्मिक साधन तथा उपाय दर्शाये हैं। जोकि संक्षेपत: निम्न प्रकार हैं-

1. सदचार1 2. स्वाध्याय 3. सत्संग 4. सुविचार 5. सेवाभाव 6. सततपुरुषार्थ 7. सादा तथा संयमी जीवन, सर्वेश चिन्त तथा 8 यज्ञ 9 दान और 10 तप।

इन दस सद्गुण रूपी सुमनों को अपने जीवनोद्यान में विकसित कर लेने से यह गार्हस्थ्य जवन रूपी सुन्दर बगीचा सदा हराभरा, पुष्पित तथा फलित बनकर मनुष्य जीवन को सुख और शान्ति की चरम अनुभूति करा देता है। चूंकि धर्म से सम्बन्धित कई विषय आगे भी आयेंगे, अत: यहां धर्म के सम्बन्ध में संक्षेप से ही लिखा गया है।

अर्थ : मनुष्य जीवन रूपी कल्पवृक्ष के धर्मरूपी प्रथम फल का संक्षेप से वर्णन हो चुका। अब इस कल्पवृक्ष के द्वितीय फल अर्थ का संक्षिप्त वर्णन हम प्रियपाठकों के सम्मुख रखेंगे।

- क्रमश:

- आचार्य भद्रसेन

साभार: आदर्श गृहस्थ जीवन

आदर्श गृहस्थ जीवन : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त के लिए आज ही अपना आदेश प्रेषित करें या मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

Veda Prarthana - II
Regveda - 12/2

Dear God May We Become Fearless in Life

यतो यत: समीहसे ततो नो अभयं कुरु।
शं न: कुरु प्रजाभ्योऽभयं न: पशुभ्य:।।
यजुर्वेद 36/22

Yato yatah samihase tato no abhyam kuru.
Sham nah kuru prajabhyo abhyam nah pashubhyah.
(Yajur Veda 36:22)

From last Issue -

Most normal human beings wonder whether what has been stated above about God's judgment is true in the current world.This is so because in their observations, they often find wicked, sinful or evil persons, criminal and killers in many parts of the world are harassing, troubling, and sometimes even torturing good, innocent and virtuous persons without fear of punishment by anybody including the ruling authourities. Moreover, the innocent persons in such societies not only suffer at the hands of cruel people, but also feel they have no recourse to oppose the suffering. The primary cause of such pervading fear is due to the persons who do the evil deeds and the lack of appropriate punishment by the authorities. Howenr, to some extent even good people are at fault because they indirectly contribute to the prevailing fear by not uniting together with other fellow good pecople in planning to oppose the wicked. The society at large has many more honorable persons than wicked persons but they must unite, get organized, beome determined and be willing to make sacrifices of body, mind and wealth, and even life if necessary to protect dharma and virtuous ideals. The evil and vicious persons exploit everybody; they do not spare good people simply because they are following dharma. In fact evil persons aim at deceiving and exploiting simple, kind, non-violent, and virtuous people because they conside them easy prey. On the other hand, if good virtuous persons are strong and united then the evil persons will not have the courage to hurt them, and the prevailing fear and uneaseness among good honest persons will disappear or markedly decrease.

Dear God, it is our humble prayer to You that You help us dstroy our personal fears as well as the pervading atmosphere of fear in many places and communities in the world. All human beings in the world irrespective of their country, religion, language, social status, caste, poverty, or traditions may have no fea of each other and people with mutual respect and thoughtful discussion can acknowledge and preferably resolve their differences without fighting. Moreover, help and inspire us to stop the violence of killinng helplesss animals and birds (who by their nature cannot adequately express their pain and suffering) for the eating pleasures and selfish interests of various persons in the society whose dietary needs can be met by vegetarian meals. May there be a rule of peace, prosperity, happiness, bravery, and freedom everywhere in the world. Dear God, it is our prayer to You that with Your grace let there be lack of all types of fear among normal human beings and innocent persons in all societies in the world.

- Acharya Gyaneshwarya

To Be Continue....

महासम्मेलन-2018: पूर्वोत्तर भारत से भी बड़ी संख्या में जुटेंगे आर्यवीर

नागालैंण्ड, असम सहित पूर्वोत्तर प्रान्तों की बैठकों में आर्यवीरों की भारी उपस्थिति

महासम्मेलन की पूर्वतैयारियों की गतिविधियों के चलते देश-विदेश में चल रहे महासम्मेलन और आर्य समाज के इस प्रचार-प्रसार को देखें तो इस बार का अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में अभी तक इतिहास का एक सर्वश्रेष्ठ उदाहरण स्थापित करेगा। पहली बार शायद ही भारत का कोई ऐसा प्रान्त बचे जहाँ से आर्य महानुभाव, विद्वान आर्यजन, आर्यवीर दिल्ली न पहुंचें। जहाँ भी निमंत्रण पत्र जाता है, बैठक होती है वहां आर्य समाज से जुड़ें लोगों का उत्साह सम्मेलन की सफलता की कहानी लिख रहा होता है।

यह आर्य समाज की मेहनत का ही प्रतिफल है कि इस बार अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली में असम, नागालैंड, मणिपुर समेत भारत के लगभग सभी पूर्वोत्तर प्रान्तों से इस बार आर्य वीर इस महासम्मेलन में जुटेंगे

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन की तैयारी के चलते श्री विनय आर्य ने पूर्वोत्तर भारत के अलग राज्यों में कई स्थानों पर बैठक की। इस अवसर पर आर्य समाज की सेवा इकाई अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के सपने को पूरा करने के अथक प्रयास कर रहे दीमापुर नागालैंड के विद्यालयों में महासम्मेलन के प्रति छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था, सभी छात्र-छात्राओं ने बड़े गर्व से आर्य समाज और भारत माता की जय के नारे लगाये। इस अवसर पर दयानन्द सेवाश्रम संघ के कॉर्डिनेटर आचार्य संतोष कुमार शास्त्री, प्रणव विद्यापीठ के प्रिंसिपल श्री मनोज भट्टाचार्य, श्रीमती इंद्रा देवी, राष्ट्रीय व्यापार मंच के कॉर्डिनेटर श्री लानु-आ-नागा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसी दौरान आसाम आर्य प्रतिनिधि सभा के मंत्री श्री लोकेश आर्य को गुवाहाटी में बैठक के दौरान श्री विनय आर्य जी ने महासम्मेलन की प्रचार सामग्री दी तथा पूर्वोत्तर इलाकों में उन्हें ज्यादा से ज्यादा प्रचार सामग्री लोगों तक पहुँचाने के लक्ष्य पर जोर दिया।

आओ ! संस्कृत सीखें — **संस्कृत ध्येय वाक्य** (58)

गतांक से आगे....

थल सेना - **सेवा अस्माकं धर्म:**
वायु सेना - **नभ:स्पृशं दीप्तम्**
जल सेना - **शं नो वरुण:**

मुंबई पुलिस
सद्रक्षणाय खलनिग्रहणाय
हिन्दी अकादमी
अहम् राष्ट्री संगमनी वसूनाम
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञानं अकादमी
हव्याभिर्भग: सवितुर्वरेण्यं
भारतीय प्रशासनिक सेवा अकादमी
योग: कर्मसु कौशलं
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
ज्ञान-विज्ञानं विमुक्तये
नेशनल कौंसिल फॉर टीचर एजुकेशन
गुरु: गुरुतामो धाम:
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय
ब्रह्मचर्येण तपसा देवा मृत्युमपाघ्नत
इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
ज्योतिर्व्रणीत तमसो विजानन
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
विद्ययाऽमृतमश्नुते
आन्ध्र विश्वविद्यालय
तेजस्विनावधीतमस्तु
बंगाल अभियांत्रिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय शिवपुर
उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत।।
गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय
आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:
संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय
श्रुतं मे गोपय
श्री वैंकटेश्वर विश्वविद्यालय-
ज्ञानं सम्यग् वेक्षणम्
कालीकट विश्वविद्यालय
निर्भय कर्मणा श्री
दिल्ली विश्वविद्यालय
निष्ठा धृति: सत्यम्

- क्रमश:

-आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय,
मो. 9899875130

शोक समाचार

आचार्य वागीश जी को मातृ शोक

आर्य समाज कांकड़वाडी, मुम्बई के धर्माचार्य, वैदिक विद्वान, (डॉ.) आचार्य वागीश जी की माताजी श्रीमती सावित्री देवी का 92 वर्ष की अवस्था में 23 जून 2018 को आर्ष गुरुकुल एटा, उ.प्र. में निधन हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के अनुसार किया गया।

श्री चन्द्रभान सेतिया का निधन

आर्यसमाज सैनिक फार्म नई दिल्ली के प्रधान श्री चन्द्र भान सेतिया जी का गत दिनों निधन हो गया। उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 19 जून, 2018 को राधाकृष्ण मन्दिर डिफेंस कालोनी में सम्पन्न हुई।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

गाय को माता क्यों?

देश-विभाजन से पूर्व अमृतसर में एक शास्त्रार्थ हुआ। आर्यसमाज की ओर से श्री ज्ञानी पिण्डीदासजी ने वैदिक पक्ष रखा। इस्लाम की ओर से जो मौलवी बोल रहे थे उन्होंने यह कहा कि गाय को आप माता क्यों मानते हैं? भैंस-बकरी को क्यों नहीं मानते?

वैसे तो वेद पशुहिंसा का विरोधी है ही। गाय क्या भैंस, बकरी, घोड़ा आदि सब पशु हमारे प्यार व संरक्षण के पात्र हैं, परन्तु गाय की महत्ता का जो उत्तर ज्ञानीजी ने वहाँ दिया वह सबको सदैव स्मरण रखना चाहिए। गाय का दूध अत्यन्त उपयोगी है यह तो सब जानते हैं, परन्तु पशुओं में केवल गाय ही एकमात्र पशु है जो मानवीय माता की भाँति नौ मास तक अपने बच्चे को गर्भ में रखती है। इसलिए ही इस माता का दूध मानवीय माता के बच्चे को अधिक लाभप्रद होता है।

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु
साभार :
तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी : पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

प्रथम पृष्ठ का शेष

तीनों आर्य प्रतिनिधि सभाओं की सम्पत्ति.....

में यज्ञ करें, वैदिक साहित्य बाँटें।' यह विचार आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी ने दिनांक 24 जून को आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के कार्यालय गुरुदत्त भवन चौक किशनपुरा जालन्धर के सभागार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में व्यक्त किए।

उन्होंने आगे कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन को बुलाने का उद्देश्य यही है कि हम सभी एकजुट होकर अपने-अपने क्षेत्र में आर्य समाज का प्रचार एवं प्रसार करें। अपने-अपने क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों को बढ़ाएं। उन्होंने पंजाब के आर्यजनों का आह्वान करते हुए बड़ी संख्या में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पहुंचने और पंजाब का प्रतिनिधित्व करके सम्मेलन को सफल बनाएं।

वरिष्ठ उप प्रधान श्री सरदारीलाल आर्य जी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि मैं पंजाब की समस्त आर्य समाजों से अनुरोध करता हूँ कि 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2018 तक नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में बढ़-चढ़ कर भाग लेते हुए अपने संगठन की शक्ति और एकता का परिचय दें। हम सभी मिलकर पाखण्ड और अन्धविश्वास को दूर करते हुए अपने-अपने क्षेत्र में आर्य समाज का प्रचार और प्रसार बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि वेद हमारा धर्म है, यज्ञ हमारी पहचान, ईश हमारा ओ३म् है, आर्य हमारा नाम।

कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ ब्रह्मा श्री सुरेश शास्त्री द्वारा यज्ञ से हुआ। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा तथा आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मास्टर रामपाल आर्य ने यजमान पद को सुशोभित किया। कार्यकर्त्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य थे। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान मा.रामपाल आर्य, महामंत्री श्री उम्मेद शर्मा, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य और कोषाध्यक्ष श्री विद्यामित्र ठुकराल विशेष रूप से पधारे। यह सम्मेलन पंजाब में अंधविश्वास के निर्मूलन और आर्य जनता में जागृति लाने के लिये बुलाया गया था जिसमें पंजाब की विभिन्न आर्य समाजों के लगभग 350 के करीब कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। सबसे पहले आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा, महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज, उपप्रधान श्री सरदारी लाल, सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा, उपप्रधान चौधरी ऋषिपाल सिंह, उप प्रधान श्री स्वतन्त्र कुमार ने सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेश चन्द्र आर्य, हरियाणा सभा के प्रधान श्री रामपाल आर्य, महामन्त्री श्री उम्मेद शर्मा, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, कोषाध्यक्ष श्री विद्यामित्र ठुकराल का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। तत्पश्चात् सभा के भजनोपदेशक श्री अरुण वेदालंकार ने प्रभु भक्ति एवं ऋषि महिमा के भजन सुनाकर सबको वेद मार्ग पर चलने का सन्देश दिया।

मंच का संचालन कर रहे सभा के महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज ने महाशय धर्मपाल जी द्वारा आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा के नाम लिखा हुआ पत्र पढ़कर सुनाया। इस पत्र में उन्होंने अपनी शुभकामनाएं सभी आर्यजनों को दी थीं और इच्छा व्यक्त की थी कि संगठन की एकता से आर्य समाज नई मजबूती के साथ उभर कर सामने आएगा।

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के महामन्त्री श्री उम्मेद शर्मा ने अपने विचारों के द्वारा सभी आर्य महानुभावों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आज पंजाब की पवित्र भूमि पर ऐसा कार्यक्रम आयोजित हो रहा है जो सम्पूर्ण भारतवर्ष को एक नई दिशा दे सकता है। राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए ब्रह्म बल और क्षात्र बल दोनों आवश्यक हैं। पंजाब की भूमि से स्वामी श्रद्धानन्द जी ने सर्वं वै पूर्णं की भावना से त्याग का जो आदर्श स्थापित किया है वह अनुकरणीय है। आज हमें इस अवसर पर यह विचार करना है कि वेद प्रचार के कार्यों में जो शिथिलता आई है उसे कैसे दूर किया जाए? उन्होंने कहा कि हम सभी ने कसम खाई है कि हम एकजुट होकर आर्य समाज का प्रचार- प्रसार करेंगे। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा ने 14 वेद प्रचार रथों की स्थापना करके आर्य समाज के कार्य को मजबूती प्रदान की है। वेद प्रचार रथों के माध्यम से हरियाणा के गांव-गांव में प्रचार हो रहा है।

मुख्य अतिथि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि 8 फरवरी 2016 को सार्वदेशिक सभा का प्रधान बनने के पश्चात् आज मैं पहली बार पंजाब की भूमि पर पधारते हुए महान् संन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द जी की भूमि को नमन करता हूं। उन्होंने प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि उत्तर भारत की तीनों सभाएं अगर मिलकर आर्य समाज का कार्य करेंगी तो ये पूरे भारतवर्ष का नेतृत्व करते हुए आर्य समाज के कार्य को नई दिशा देने का कार्य होगा। आज हमें यही चिन्तन करना है कि ऋषि दयानन्द अकेले थे, स्वामी श्रद्धानन्द अकेले थे, प्रचार-प्रसार के सीमित साधन थे परन्तु फिर भी उन्होंने आर्य समाज का इतना कार्य किया है तो हम सभी मिलकर आज के युग में उतना कार्य क्यों नहीं कर सकते। आज हमें आर्य समाज के आध्यात्मिक पक्ष को मजबूत करने की आवश्यकता है। ऋषि दयानन्द की महिमा गाते हुए उन्होंने भजन की पंक्तियां सुनाई। उन्होंने अक्तूबर, 2018 दिल्ली में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के आयोजन की जानकारी देते हुए सभी को अधिकाधिक संख्या में पधारने का आह्वान किया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य ने विस्तार से आर्य समाज की गतिविधियों को बताते हुए सभी को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पधारने का निमन्त्रण दिया। श्री विनय आर्य ने आश्वासन दिया कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली एक ही थे और हमेशा एक ही रहेंगे। हमारी एकता किसी स्वार्थ के लिए नहीं अपितु आर्य समाज की उन्नति के लिए हुई है। हम तीनों सभाओं के ऊपर आर्य समाज के भविष्य की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अगर आज हम मिलकर आर्य समाज की उन्नति के लिए कार्य करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को हम पर गर्व होगा। उन्होंने कहा कि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हम तीनों सभाओं की सम्पत्ति ही नहीं अपितु जिम्मेदारी एवं आर्यसमाज के प्रति जिम्मेदारी भी है। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 का निमन्त्रण देते हुए उन्होंने कहा कि आप अपने बच्चों, पोते-पोतियों को भी इस अवसर पर साथ लेकर आएं। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ सभी कार्यकर्त्ताओं का स्वागत किया।

मंच का संचालन करते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामंत्री श्री प्रेम भारद्वाज ने कहा कि पंजाब ने आर्य समाज के संगठन को बहुत से क्रान्तिकारी दिये। देश की आजादी के लिये लगभग 85 प्रतिशत आर्य महानुभावों ने अपना योगदान दिया। सभा उपप्रधान श्री स्वतन्त्र कुमार ने सभी पधारे हुए महानुभावों का धन्यवाद किया।

- प्रेम भारद्वाज
महामन्त्री, आ.प्र.स.पंजाब

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018

ध्यान देने योग्य बातें

1. महासम्मेलन में स्वयं तो आएं साथ में अपने परिवार व बच्चों को भी साथ लावें।
2. अपनी संस्थाओं के आर्यवीर/ आर्य वीरांगनाओं विद्यार्थियों को परिवार सहित साथ लावें।
3. अपने इष्ट-मित्रों, सम्बन्धियों को महासम्मेलन में आने के लिए प्रेरित करें।
4. ऐसे परिवारों को अवश्य आमंत्रित करें जो पहले कभी आर्य समाजी थे पर किन्हीं कारणों वश अब आर्य समाज से सम्बन्ध नहीं रख पा रहे हों।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018

आने वाले महानुभाव अपने आने की व्यक्तिगत सूचना तुरन्त भेजें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली, में भाग लेने वाले महानुभाव के लिए भोजन तथा आवास की व्यवस्था की गई है। अत: अपने आगमन की पूर्व सूचना अग्रिम भेजने की कृपा करें जिससे आपके ठहरने व भोजन की सुन्दर व्यवस्था की जा सके। आप अपना नाम, पता, मोबाईल नं., ईमेल पता निम्न प्रकार के प्रारूप में, **संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018, 15 हनुमान रोड, दिल्ली-110001** के पते पर भेज देवें-

प्रपत्र का प्रारूप

1. नाम : .... पिता का नाम : ....
2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में) : ....
....
राज्य .... पिन कोड : ....
3. मोबाईल नं. : ....
4. ईमेल (यदि हो तो) : ....
5. सम्बन्धित आर्य समाज का नाम : ....
6. आगमन की तिथि : .... प्रस्थान की तिथि : ....
7. आने का साधन : रेल/बस/निजी वाहन : ....
(यदि निजी वाहन है तो वाहन का नाम व वाहन सं.):.................................
8. आगमन स्टेशन का नाम : ....

दिनांक : .... हस्ताक्षर

....

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन: प्रकाशित स्मारिका हेतु निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका हेतु वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साइज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर '**स्मारिका सम्पादक**' के नाम '**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018**', **15, हनुमान रोड, नई दिल्ली -110001**' के पते पर या ईमेल aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। **-सम्पादक**

चुनाव समाचार

आर्यसमाज राजनगर-2, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली
प्रधान - श्री भगत सिंह राठी
मंत्री - श्री हंस राज आर्य
कोषाध्यक्ष - श्री ब्रह्म प्रकाश आर्य

आर्यसमाज अमर कॉलोनी, न.दि.
प्रधान - श्री जितेन्द्र कुमार डाबर
मंत्री - श्री ओम प्रकाश छावड़ा
कोषाध्यक्ष - श्री सुभाष चन्द्र आर्य

आर्यसमाज दयानन्द विहार, दिल्ली
प्रधान - श्रीमती संतोष मिगलानी
मंत्री - डॉ. ईश नारंग
कोषाध्यक्ष - डॉ. आशा मेहता

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 25 जून, 2018 से रविवार 1 जुलाई, 2018
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2018–19–2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 28–29 जून, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेंस नं. यू. (सी.) 139/2018–19–2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथिः बुधवार 27 जून, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25–26–27–28 अक्टूबर, 2018

प्रतिष्ठा में,

सिंगापुर के आर्यजनों को अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का निमन्त्रण देने पहुंचे आर्यसमाज हनुमान रोड के उप प्रधान श्री नरेन्द्र सिंह हुड्डा। आर्यसमाज सिंगापुर के अधिकारियों का सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से किया सम्मान।

ऐतरेय ब्राह्मण वैज्ञानिक स्वरूप ग्रन्थ का विमोचन

उपराष्ट्रपति भवन में स्वामी अग्निव्रत जी का ऐतरेय ब्राह्मण वैज्ञानिक स्वरूप ग्रन्थ का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सार्वदेशिक सभा के प्रधान सुरेशचंद्र आर्य, बलवीर मलिक, विशाल आर्य, जयसिंह गहलोत आर्य, किशनलाल गहलोत जी सम्मिलित हुए। महर्षि दयानन्द स्मृति भवन के ऐतिहासिक भवन हेतु पुरातन विभाग से अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए पत्र सौंपा गया जिसे माननीय उपराष्ट्रपति महोदय ने तुरंत सम्बन्धित मंत्रालय को पत्र भेजने का आदेश दिया स्मृति भवन के प्रधान व मंत्री एवं कोषाध्यक्ष जी ने स्मृति भवन की यज्ञ शाला का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन–2018

नवीनतम सूचनाओं व जानकारियों हेतु जुड़ें व्हाट्सएप्प पर और साझा करें विचार

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली – 2018

आर्य जगत के सब नर–नारी, पूरा जोर लगाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।

वेद सभ्यता सदाचार को, भूल गया था जग सारा।
खाओ–पीयो, मौज–उड़ाओ, गूंज रहा था यह नारा।।
अबला, दीन अनाथ, दुःखी थे, थी भारी गुंडागर्दी।
ईश–भक्त विद्वानों से, थी नहीं किसी को हमदर्दी।।

सारी दुनियां आतंकित थी, जग को साफ बताओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।1।।

जगदीश्वर ने कृपा की, ऋषि दयानन्द को भेज दिया।
स्वामी दयानन्द योगी ने, सकल विश्व का भला किया।।
कर्म प्रधान बताया ऋषि ने, वैदिक धर्म निभाया था।
विष के प्याले पी–पी करके, मिटता जगत बचाया था।।

जग हितकारी दयानन्द की, आओ, महिमा गाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।2।।

वेद विरोधी नास्तिकों ने, भूमण्डल को घेरा है।
रात अंधेरी छाई है, 'न' आता नज़र सबेरा है।।
गुरुडम बढ़ा रहे हैं ढोंगी, दानवता का फेरा है।
अत्याचारी पनप रहे हैं, देख दुखी दिल मेरा है।।

मुंह मोड़ दो, शैतानों के, लेखराम बन जाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।3।।

देश–देश में, दुनिया भर में, पावन वेद प्रचार करो।
व्याकुल है संसार आर्यो! उठो जगत की पीर हरो।।
श्रद्धानन्द और हंसराज बन, परहित के तुम काम करो।
बन जाओ गुरुदत्त, लाजपत, जग में ऊंचा नाम करो।।

मानव सब मानव बन जायें, प्रेम की रीति चलाओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।4।।

याद रखो, इस दुनिया में जो, भले काम कर जाते हैं।
वे सब बड़े भाग्यशाली हैं, जग में आदर पाते हैं।।
खाना–पीना, भोग करना, पशुओं का यह लक्षण है।
जीव मात्र का जो हितकारी, उसका सच्चा जीवन है।।

'नन्द लाल निर्भय' अब जागो, काम जगत के आओ रे।
आर्य महासम्मेलन दिल्ली, को मिल सफल बनाओ रे।।5।।

–पं. नन्दलाल निर्भय 'सिद्धांताचार्य'
ग्राम बहीन, पलवल, मो.:9813845774

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए–29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र–1, नई दिल्ली–28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह